पीपुल्स समाचार, भोपाल 7 JAN 2010

विश्व बैंक ने मप्र के प्रदर्शन को बेहतर माना

पीपुल्स संवाददाता, भोपाल

विश्व बैंक रिव्यू मिशन की बैठक शुरू, दस राज्य शामिल

विश्व बैंक ने पोषित व्यावसायिक शिक्षा सुधार परियोजना में मध्यप्रदेश के प्रदर्शन को बेहतर माना है। यह बात विश्व बैंक द्वारा परियोजना के ज्वाइंटर रिव्यू मिशन के लिए बुधवार से यहां शुरू बैठक में सामने आई।

बैठक का शुभारंभ तकनीकी शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव जयदीप गोविन्द ने किया। इसमें केन्द्र सरकार के रोजगार एवं प्रशिक्षण विभाग के महानिदेशक शारदा प्रसाद, विश्व बैंक के टीम लीडर नलिन जैना और मध्यप्रदेश, आंध्रप्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, हरियाणा, राजस्थान, बिहार, उत्तराखण्ड, लक्ष्यदीप तथा जम्मूकश्मीर के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। इस अवसर पर प्रमुख सचिव श्री गोविन्द ने कहा कि भारत सरकार के योजना आयोग ने 2022 तक देश में 50 करोड़ प्रशिक्षित मानव संसाधन की आवश्यकता का आंकलन किया है। इसे पूरा करना एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। उन्होंने कहा विश्व बाजार में कौशलयुक्त मानव संसाधन उपलब्ध कराने के लिए जरूरी है कि हम विश्वस्तरीय मानक के अनुरूप प्रशिक्षण व्यवस्था सुनिश्चित करें। विश्व बैंक की परियोजना में मध्यप्रदेश का प्रदर्शन अच्छा रहा है। शारदा प्रसाद ने परियोजना के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए विभिन्न राज्यों द्वारा विगत दो वर्षों में हासिल उपलब्धियों और कमियों के बारे में बताया। टीम लीडर श्री जैना से कहा कि यह परियोजना इस मायने में महत्वपूर्ण है कि विभिन्न राज्य उनके यहां उद्योगों की आवश्यकता के अनुरूप प्रशिक्षण पाठ्यक्रम परिवर्तित कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि दो वर्ष की गतिविधियों पर विश्व बैंक द्वारा रिपोर्ट तैयार की गई है।

विश्व बैंक पोषित व्यावसायिक शिक्षा सुधार परियोजना के ज्वाइंट रिव्यू मिशन की बैठक बुधवार को भोपाल में हुई।

क्या है योजना: विश्व बैंक पोषित केन्द्र सरकार की योजना के तहत प्रदेश की 28 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं का सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में उन्नयन करने के लिए चयन किया गया है। इसके लिए लगभग 73 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। दो वर्ष से इस परियोजना पर काम चल रहा है।